UNIVERSITY NEWS 16 OCTOBER 2025

AMRIT VICHAR

नवंबर के तीसरे सप्ताह में होंगी लविवि परीक्षाएं

कार्यालय संवाददाता, लखनऊ

अमृत विचार: लखनऊ विश्वविद्यालय की परीक्षा समिति की बैठक कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में आयोजित की गई। बैठक में विभिन्न संकायों के पीजी, विज्ञानात्मक एवं समिति के अन्य महत्व उपस्थित रहे। समिति ने सर्वसम्मति से निर्णय लिया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 की सेमेस्टर परीक्षाएं शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार समयानुसार आयोजित की जाएंगी।

सत्रवार पेटेंट के माध्यम से प्राप्त होने के आधार पर प्रथम सेमेस्टर की परीक्षाएं 25 अक्टूबर से शुरू होंगी। इसके अलावा अन्य सभी सेमेस्टरों की परीक्षाएं नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू करने पर विचार किया जाएगा।

अन्य सेमेस्टरों के परीक्षा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया 25 अक्टूबर से शुरू होगी ताकि समय पर सभी परीक्षा संबंधी कार्य पूरे हो सकें। समिति ने यह भी निर्णय लिया कि परीक्षाओं का आयोजन नवंबर के तीसरे सप्ताह से प्रस्तावित है।

वर्ल्ड रैंकिंग सुधार पर बैठक

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के रैंकिंग प्रकोष्ठ की अध्यक्षता में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में इस वर्ष विदेश आईआईएफ की नई रैंकिंग में उन्नयन प्राप्त करने के साथ-साथ क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग और टाइम्स हायर एजुकेशन की रैंकिंग में सुधार की रणनीति पर चर्चा हुई। बैठक में सभी विभागाध्यक्ष, डीन, निदेशक, लखनऊ और सिंचित संस्थान, लखनऊ तथा डीजी के उपरांत प्रतिनिधि रहे। कुलपति ने विश्वविद्यालय की शैक्षणिक, शोध और आउटरीच गतिविधियों की रैंकिंग मानकों के अनुसार उन्नयन करने पर जोर दिया।

कुलपति प्रो. मनुका खन्ना को जानकारी देतीं डॉ. गीतांजली मिश्रा।

लविवि और पेविवि के बीच एमओयू

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय और फ्रांस की यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान के बीच प्राणीशास्त्र व जीवन विज्ञान में शोध और शैक्षणिक सहयोग के लिए एमओयू पर हस्ताक्षर किए गए। यह समझौता पशु व्यवहार, पारिस्थितिकी, विकासवादी जीवविज्ञान, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन में सहयोग को बढ़ावा देगा। इस सहयोग से दोनों विश्वविद्यालय छात्रों और अध्यापकों के लिए एक गतिशील शैक्षणिक मंच स्थापित करेंगे। इसमें उन्नत वैज्ञानिक पद्धतियों और वैश्विक दृष्टिकोण से सीखने और काम करने का अवसर मिलेगा। प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अधिकतम 5 स्नातक छात्र, 2 परास्नातक छात्र और 1 संकाय सदस्य का आदान-प्रदान किया जाएगा।

विकसित भारत यंग लीडर्स अवार्ड के दौरान छात्र-छात्राएं व कुलपति।

यंग लीडर्स प्रतियोगिता आयोजित

अमृत विचार, लखनऊ: लखनऊ विश्वविद्यालय के शिक्षा सत्र विभाग में "विकसित भारत यंग लीडर्स" प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। इस अवसर पर विश्वविद्यालय की कुलपति प्रो. मनुका खन्ना मुख्य अतिथि रहीं। उन्होंने उपस्थित संबोधन में उन्होंने विकसित भारत और युवा नेतृत्व की संकल्पना पर प्रकाश डालते हुए नवाचार और नेतृत्व क्षमता के विकास की आवश्यकता पर जोर दिया। इस प्रतियोगिता का आयोजन देव दत्त डीनेथ, दिनेश कुमार के निर्देशन में हुआ। निर्णायक मंडल में डॉ. फिरोज खान (अध्यक्ष) और डॉ. सुषमा मिश्रा ने निर्णायिका की भूमिका निभाई। कार्यक्रम में प्रो. भवन कुमार, प्रो. मुनेश कुमार, डॉ. रेनेट कुमार सिंह, डॉ. रोहेन कुमार यादव, डॉ. नीरज कुमार सिंह, डॉ. रोहेन कुमार यादव, अभिषेक मोहनसिंह, प्रज्ञा सिंह, अनुजा शर्मा, बीजा कार्टियर समेत अन्य शामिल थे।

I NEXT VOICE OF LUCKNOW

PIC: DAINIK JAGRAN I NEXT

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बनाई गई पोटिका।

स्टूडेंट्स अब खुद जानेंगे ग्रहों के अनुसार पौधे

बॉटनी और ज्योतिर्विज्ञान डिपार्टमेंट के स्टूडेंट्स कर सकेंगे रिसर्च वर्क

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी के बॉटनी डिपार्टमेंट ने एक नई नवाचार पहल का निर्माण किया है। जिसमें वे सही की दिशानुसार के सेटअप तैयार किए गए हैं, इन सभी सेटअप में उस ग्रह के अनुसार पौधे लगाए गए हैं। जिससे लोगों को सिर्फ देखकर पता चल सकेगा कि कौन सा पलांट किस ग्रह से संबंधित है, इस तरह का सेटअप तैयार करने का मुख्य उद्देश्य भारतीय परंपरा के मुताबिक लोगों को सही सोच करने या सही से संबंधित पूजा करने के लिए शुभ पौधों के बारे में जानकारी देना है, जिससे कि लोग इन पौधों के पास, एकदम सही मदद से या इन पौधों की पूजा करके ज्योतिष से संबंधित काम कर सकें। बॉटनी डिपार्टमेंट की इस नवाचार पहल का लोकार्पण आज यूनिवर्सिटी की वीसी प्रो. मनुका खन्ना द्वारा किया जाएगा, इस पहल का बॉटनी और ज्योतिर्विज्ञान विभाग के स्टूडेंट्स को काफी फायदा मिलेगा।

ये लगे पौधे	
वट	पीपल
सूर्य	मदार
धतूरा	फालसा
मंगल	खैर
बुध	अपामार्ग
कुलत्थी	पीपल
गुरु	गुरार
शनि	शमी
राहु	दूब घास
केतु	कुश

शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा देगा लविवि व यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान

विशेष संवाददाता (vol)

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय, भारत और यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान, फ्रांस के बीच एक सहमति पत्र (एमओयू) पर औपचारिक रूप से हस्ताक्षर किए गए, जो जीवनविज्ञान (लाइफ साइंसेस) विशेष रूप से प्राणीशास्त्र (जूलॉजी) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों की उस साझा दृष्टि को दर्शाती है, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक ज्ञान का विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहन, और सहयोगात्मक अनुसंधान तथा शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

यह समझौता एकीकृत जीवविज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे विशेष रूप से पशु व्यवहार, पारिस्थितिकी, विकासवादी जीवविज्ञान, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए तैयार किया गया है। इस सहयोग के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक ऐसा गतिशील शैक्षणिक मंच स्थापित करना चाहते हैं, जो अनुसंधान में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करे और छात्रों व अध्यापकों को उन्नत वैज्ञानिक पद्धतियों तथा वैश्विक दृष्टिकोण से सीखने और काम करने का अवसर प्रदान करें। समझौते के अनुसार, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अधिकतम पांच स्नातक छात्र (जूलॉजी) के क्षेत्र में अंतरराष्ट्रीय शैक्षणिक और शोध सहयोग को बढ़ावा देने की दिशा में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर है। यह साझेदारी दोनों संस्थानों की उस साझा दृष्टि को दर्शाती है, जिसके अंतर्गत वैज्ञानिक ज्ञान का विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान को प्रोत्साहन, और सहयोगात्मक अनुसंधान तथा शैक्षणिक नवाचार को बढ़ावा दिया जाएगा।

यह समझौता एकीकृत जीवविज्ञान के विभिन्न पहलुओं जैसे विशेष रूप से पशु व्यवहार, पारिस्थितिकी, विकासवादी जीवविज्ञान, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन में सहयोग को सुदृढ़ करने के लिए तैयार किया गया है। इस सहयोग के माध्यम से दोनों विश्वविद्यालय एक ऐसा गतिशील शैक्षणिक मंच स्थापित करना चाहते हैं, जो अनुसंधान में उत्कृष्टता को प्रोत्साहित करे और छात्रों व अध्यापकों को उन्नत वैज्ञानिक पद्धतियों तथा वैश्विक दृष्टिकोण से सीखने और काम करने का अवसर प्रदान करें। समझौते के अनुसार, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में अधिकतम पांच स्नातक छात्र, प्राणी शास्त्र विभाग से दो परास्नातक छात्र और विभाग से एक संकाय सदस्य का लखनऊ विश्वविद्यालय और पेरपिन्यान के बीच आदान-प्रदान किया जाएगा। जहाँ तक विभिन्न कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को शोध प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य, और सेमिनार, फील्ड स्टडी तथा कार्यशाला ओं जैसी संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव उन्हें एक बहुसांस्कृतिक शैक्षणिक वातावरण में कार्य करने की सुविधा देगा, जिससे उनकी वैज्ञानिक समझ और व्यावसायिक दक्षता दोनों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने इस नई शैक्षणिक साझेदारी को लेकर अपनी प्रसन्नता और आशावाद व्यक्त करते हुए कहा यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीयकरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में यात्रा का एक बड़ा कदम है। इस प्रकार के सहयोग हमारे छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर सोचने, अग्रणी अनुसंधान में भाग लेने और वैश्विक वैज्ञानिक चुनौतियों के समाधान में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमें यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान के साथ साझेदारी करने पर गर्व है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल ज्ञान सृजन और आदान-प्रदान के नए मार्ग प्रशस्त करेगी। डीन अकादमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने इस सहयोग के शैक्षणिक महत्व और दीर्घकालिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह साझेदारी हमारे शैक्षणिक परिवेश को अंतर्विषयक अनुसंधान और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से समृद्ध बनाएगी।

NBT

कैंपस | एलयू में एनआरआईएफ, क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग समेत अन्य बिंदुओं पर हुई बैठक

शोध, पेटेंट और बेहतर काम से सुधरेगी रैंकिंग

■ NBT रिपोर्ट, लखनऊ

लखनऊ यूनिवर्सिटी में बुधवार को कुलपति की अध्यक्षता में रैंकिंग प्रकोष्ठ की बैठक हुई। इस बैठक में लखनऊ यूनिवर्सिटी को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग समेत अन्य वैश्विक रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शोध की गुणवत्ता, पेटेंट प्रकाशन और शिक्षकों को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करने पर जोर दिया गया। प्रकोष्ठ की निदेशक व अधिष्ठाता अकादमिक प्रफेसर गीतांजलि मिश्रा ने सदस्यों को हालिया रैंकिंग के बारे में जानकारी दी। उन्होंने कहा कि एलयू को विशेष रूप से सहकर्मी धारणा, सहयोगात्मक गुणवत्ता वाले प्रकाशनों और पेटेंट में सुधार पर ध्यान देने की जरूरत है। यह तीन क्षेत्र रैंकिंग के मामले में विवि के लिए महत्वपूर्ण लाभ ला सकते हैं। कुलपति प्रफेसर मनुका खन्ना ने कहा कि रैंकिंग केवल संख्याओं के बारे में नहीं है, बल्कि संस्थागत गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव के संकेतक हैं। उन्होंने सभी विभागों से शोध उत्पादन बढ़ाने, शिक्षण प्रक्रियाओं में सुधार करे, अंतरराष्ट्रीय सहयोग बढ़ाने और स्नातकों की रोजगार क्षमता को मजबूत करने का सुझाव दिया।

गोहना कला में लगाया शिविर

एलयू में विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब की ओर से ग्राम गोहनाकला के पंचायत भवन में कानूनी सहायता शिविर लगाया गया। न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण की ओर से हुए शिविर का उद्देश्य न्याय बंधु योजना और वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों के बारे में जानकारी देना था। इस दौरान छात्र संयोजक आदित्य राज सोनी ने ग्रामीणों को प्रो. बोनो क्लब और न्याय बंधु योजना के बारे में बताया। वहीं भावेश कुमार ने ग्रामवासियों को न्याय बंधु ऐप से जुड़ने की प्रक्रिया और इसके लाभों के बारे में जानकारी दी। साथ ही मध्यस्थता एक वैकल्पिक विवाद समाधान पर नाट्य प्रस्तुति के जरिए विवाद समाधान के वैकल्पिक तरीकों जैसे मध्यस्थता व सुलह को दर्शकों के सामने रखा। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन सह-छात्र संयोजक अफजल हसन और सीनियर सदस्य अमन कुमार ने किया। नाट्य समूह में अमन कुमार, अभिषेक मोहन सिंह, सोनाली चौधरी, विश्वेन्द्र प्रताप सिंह, अनुजा स्वेत, अरुण, गौरी सिंह, हर्ष जुरेल, रत्न प्रिया व शिवरंजनी शामिल रहे। इस दौरान संकाय प्रभारी प्रो. आलोक कुमार यादव, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी मौजूद रहे।

स्टूडेंट्स ने साझा किए विचार

एलयू के शिक्षाशास्त्र विभाग में विकसित भारत यंग लीडर्स डायलॉग 2025 के तहत डिबेट कप्टीशन हुआ। जिसका उद्घाटन कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। कार्यक्रम में प्रधानमंत्री के संकल्पित विकसित भारत 2047 के उद्देश्यों को पूरा करना और इसमें हमारे युवा वर्ग की सहभागिता को सुनिश्चित करने पर चर्चा हुई। इस डिबेट कपटीशन में प्रथम स्थान रूद्रवीर पांडेय को, द्वितीय स्थान अक्षय श्रीवास्तव को और तृतीय स्थान उल्फत फातिमा को मिला। सांत्वना पुरस्कार दिवाकर रजनीश और अभिनव गुर्जर को दिया गया। डॉ. फाजिल एहसान हाशमी और डॉ. सुषमा मिश्रा निर्णायक की भूमिका में रहें।

THE PIONEER

MoU signed between LU, French univ

PIONEER NEWS SERVICE
Lucknow

A Memorandum of Understanding (MoU) was signed between the University of Lucknow and the University of Perpignan, France, marking a significant milestone in fostering international academic and research collaboration in the field of Life Sciences, with a special emphasis on Zoology. This partnership reflects the shared vision of both institutions to advance scientific knowledge, promote cross-cultural understanding and encourage collaborative research and academic innovation.

The MoU is designed to strengthen cooperation in areas such as integrative biology with special emphasis on animal behaviour, ecology, evolutionary biology, biodiversity conservation and environmental management. Through this collaboration, both universities aim to create a dynamic academic platform that nurtures research excellence and provides students and faculty with international exposure to advanced scientific methodologies and global perspectives.

As per the agreement, every academic year will witness the maximum exchange of five undergraduate students (Department of Zoology and Botany), two postgraduate students (Department of Zoology), and one faculty member (Department of Zoology), between University of Lucknow and the University of Perpignan. The student exchange programme will offer participants hands-on research experience, laboratory training and opportunities to participate in joint academic activities such as seminars, field studies and workshops. Students will benefit from a multicultural learning environment that enhances their scientific understanding and professional skills.

Speaking on the occasion, Vice-Chancellor, University of Lucknow, Prof Manuka Khanna expressed her appreciation and optimism about this new academic alliance.

HINDUSTAN TIMES

{ PANEL RESOLVES }

LU to hold exams as per schedule

HT Correspondent
letters@htlive.com

LUCKNOW: The Lucknow University examination committee unanimously resolved that the semester examinations would be conducted as per the schedule decided by it, keeping in view the completion of regular teaching days as outlined in the academic calendar.

During a meeting, the committee also discussed an email received from Samarth portal, stating that the process of examination form filling for all semesters, except Semester I students, would begin through the university's existing system. Students, other than those in Semester I, will be required to fill their examination forms by October 25. For Semester I students, efforts are being made to enable form filling through the Samarth portal in coordination with its team. The university aims to complete this by October 31, after which alternative options would be explored to ensure adherence to the academic calendar, officials said, adding it would be done in consultation with authorities concerned.

The committee further issued instructions for coordination with affiliated colleges and other stakeholders to ensure the smooth conduct of examinations, which are scheduled to begin from the third week of November.

LU SIGNS PACT WITH FRENCH VARSITY

LU, in collaboration with the University of Perpignan, France, will create a dynamic academic platform to nurture research excellence and provide students and faculty with international exposure to advanced scientific methodologies and global perspectives. An MoU has been signed between both the institutions. LU VC prof Manuka Khanna said that the partnership was a significant milestone in fostering international academic and research collaboration in the field of life sciences, with a special emphasis on zoology. HTC

TOI

LU signs MoU with French university

The LU has signed an MoU with University of Perpignan, France, aimed at enhancing academic and research collaboration in Life Sciences, particularly Zoology. Under the agreement, each academic year will see the exchange of up to five UG students (Departments of Zoology and Botany), two PG students (Department of Zoology), and one faculty member from the Department of Zoology between the two universities.

I NEXT

एलयू के स्टूडेंट्स पढ़ने जा सकेंगे फ्रांस यूनिवर्सिटी

दोनों यूनिवर्सिटी के यूजी, पीजी और पीएचडी स्टूडेंट्स का होगा आदान-प्रदान

lucknow@inext.co.in

LUCKNOW (15 Oct): लखनऊ यूनिवर्सिटी और फ्रांस की यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान के बीच बुधवार को एक एमओयू पर साइन किया गया. जिसका मुख्य उद्देश्य जूलॉजी और लाइफ साइंसेज के फील्ड में अंतर्राष्ट्रीय शैक्षणिक संबंधों और रिसर्च को बढ़ावा देना है. इसके अंतर्गत एनिमल बिहेवियर, इकोलॉजी, इवॉल्यूशनरी बायोलॉजी, बायोडायवर्सिटी कंसर्वेशन और एनवायरमेंट मैनेजमेंट में दोनों देश एक-दूसरे का सहयोग करेंगे. इस समझौते के मुताबिक, हर साल जूलॉजी और बॉटनी डिपार्टमेंट के 5 यूजी स्टूडेंट्स, 2 पीजी स्टूडेंट्स और 1 फैकल्टी मेंबर का लखनऊ यूनिवर्सिटी और यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान के बीच आदान-प्रदान किया जाएगा. इस आदान-प्रदान के तहत स्टूडेंट्स रिसर्च, प्रैक्टिकल ट्रेनिंग, सेमिनार, फील्ड स्टडी और वर्कशॉप्स जैसी एक्टिविटीज में पार्टिसिपेट का मौका मिलेगा. एलयू वीसी प्रो. मनुका खन्ना ने कहा कि यह समझौता अंतरराष्ट्रीयकरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में यात्रा का एक बड़ा कदम है. इस प्रकार के सहयोग हमारे छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर सोचने, अग्रणी अनुसंधान में भाग लेने और वैश्विक वैज्ञानिक चुनौतियों के समाधान में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाते हैं.

AMAR UJALA

नाटक से सिखाया विवाद समाधान का तरीका

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय के विधि संकाय के प्रो. बोनो क्लब ने ग्राम गोहनाकला के पंचायत भवन में विधिक सहायता शिविर लगाया। न्याय विभाग, विधि मंत्रालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के सहयोग से हुए इस शिविर में छात्रों ने ग्रामीणों को न्याय बंधु योजना और वैकल्पिक विवाद समाधान विधियों की जानकारी दी। छात्र संयोजक आदित्य राज सोनी और भावेश कुमार ने न्याय बंधु एप व कानूनी सहायता की प्रक्रिया समझाई। छात्रों का नाट्य प्रदर्शन विशेष आकर्षण रहा। इसमें मध्यस्थता व सुलह जैसे विवाद समाधान के तरीके दर्शाए गए। नाटक का निर्देशन अफजल हसन और अमन कुमार ने किया। प्रो. आलोक कुमार यादव और प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी समेत लगभग 70 ग्रामीण मौजूद रहे। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि व फ्रांस की पेरपिन्यान यूनिवर्सिटी के बीच एमओयू

लखनऊ। अब लखनऊ विश्वविद्यालय (लविवि) ने फ्रांस की पेरपिन्यान यूनिवर्सिटी के साथ एमओयू साइन किया है, जिसके तहत दोनों संस्थान मिलकर प्राणिविज्ञान और लाइफ साइंसेज के क्षेत्र में संयुक्त शोध, प्रशिक्षण और शैक्षणिक नवाचार को नई ऊंचाई देंगे। इस साझेदारी के तहत छात्र न सिर्फ फ्रांस जाकर पढ़ाई और शोध कर सकेंगे, बल्कि वहां की प्रयोगशालाओं में वैज्ञानिक प्रोजेक्ट्स, सेमिनार और फील्ड वर्क का अनुभव भी हासिल करेंगे। लविवि के शिक्षक पशु व्यवहार, पारिस्थितिकी, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन जैसे विषयों पर संयुक्त शोध करेंगे। प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि इस समझौते की रूपरेखा प्राणिशास्त्र विभाग के डॉ. अमित त्रिपाठी ने तैयार की। (माई सिटी रिपोर्टर)

लविवि: 31 तक भरे जाएंगे प्रथम सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म

लखनऊ। लखनऊ विवि में स्नातक व परास्नातक पहले सेमेस्टर के परीक्षा फॉर्म 31 अक्तूबर तक भरे जाएंगे। अन्य सभी सेमेस्टरों के परीक्षा फॉर्म 25 अक्तूबर से भरे जाएंगे। दोनों ही फॉर्म समर्थ पोर्टल के माध्यम से भरने होंगे। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में विश्वविद्यालय में बुधवार को हुई परीक्षा समिति बैठक में पांच फैसले लिए गए। शैक्षणिक सत्र 2025-26 की सेमेस्टर की परीक्षाएं शैक्षिक कैलेंडर के अनुसार आयोजित की जाएंगी। साथ ही समर्थ पोर्टल से मिले ईमेल के आधार पर प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सभी सेमेस्टरों के परीक्षा फॉर्म भरने की प्रक्रिया विधि की पुष्टाली के माध्यम से शुरू होगी। परीक्षा फॉर्म भरने का प्रयास समर्थ टीम के सहयोग से समर्थ पोर्टल पर 31 अक्तूबर तक होगा। निर्धारित समय तक यह प्रक्रिया पूरी नहीं हो पाती है तो शैक्षणिक कैलेंडर को प्रभावित किए बिना अन्य विकल्पों पर विचार किया जाएगा। इस बात नवंबर के तीसरे सप्ताह से परीक्षाएं शुरू करने की भी तैयारी हो रही है। (संवाद)

विश्वविद्यालय की रैंकिंग सुधार पर हुआ मंथन

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय की राष्ट्रीय और वैश्विक रैंकिंग को बेहतर बनाने के उद्देश्य से कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में बुधवार को उच्च स्तरीय बैठक हुई। रैंकिंग प्रकोष्ठ की निदेशक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने नेशनल इंस्टीट्यूशनल फ्रेमवर्क (एनआईआरएफ) और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग में विश्वविद्यालय के प्रदर्शन का विश्लेषण पेश करते हुए विश्वविद्यालय में सुधार की संभावनाओं पर चर्चा की। कुलपति ने कहा कि रैंकिंग केवल आंकड़ों का विषय नहीं, बल्कि संस्थान की गुणवत्ता, नवाचार और सामाजिक प्रभाव का आइना है। उन्होंने सभी विभागों से शोध और शिक्षण की गुणवत्ता बढ़ाने, अंतरराष्ट्रीय सहयोग को प्रोत्साहित करने तथा स्नातकों की रोजगार क्षमता को सशक्त बनाने पर जोर दिया। (माई सिटी रिपोर्टर)

HINDUSTAN

एलयू के विद्यार्थी, शिक्षक फ्रांस जाकर करेंगे शोध

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय में जीवन विज्ञान और प्राणि विज्ञान के विद्यार्थी फ्रांस के पेरपिन्यान विवि के साथ शोध करेंगे। वहां पढ़ाई कर सकेंगे। कुलपति प्रो. मनुका खन्ना का कहना है कि समझौता अंतरराष्ट्रीयकरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में यात्रा का एक बड़ा कदम है। हमारे छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर सोचने, अग्रणी अनुसंधान में भाग लेने का मौका मिलेगा।

शोध, पेटेंट और साथ काम से बेहतर होगी रैंकिंग

लखनऊ। लखनऊ विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय संस्थागत रैंकिंग फ्रेमवर्क और क्यूएस वर्ल्ड यूनिवर्सिटी रैंकिंग समेत अन्य वैश्विक रैंकिंग में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए शोध की गुणवत्ता, पेटेंट प्रकाशन और शिक्षकों को अन्य संस्थानों के साथ मिलकर काम करना होगा। यह निष्कर्ष कुलपति की अध्यक्षता में हुई रैंकिंग प्रकोष्ठ की बैठक में निकला। प्रकोष्ठ की निदेशक व अधिष्ठाता अकादमिक प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने सदस्यों को हालिया रैंकिंग के बारे में जानकारी दी।

DAINIK JAGRAN

नाटक से बताए विवाद समाधान के वैकल्पिक तरीके

लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय में विधि संकाय के प्रो बोनो क्लब की ओर से बुधवार को ग्राम गोहनाकला के पंचायत भवन में कानूनी सहायता शिविर का आयोजन किया गया।

न्याय विभाग, विधि एवं न्याय मंत्रालय और जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के संयुक्त तत्वावधान में हुए इस शिविर के दौरान छात्र संयोजक आदित्य राज सोनी ने ग्रामीणों को प्रो बोनो क्लब और न्याय बंधु योजना के बारे में बताया। भावेश कुमार ने ग्रामवासियों को न्याय बंधु ऐप से जुड़ने की प्रक्रिया और इसके लाभ बताए।

नाट्य प्रस्तुति के जरिए विवाद समाधान के वैकल्पिक तरीकों जैसे मध्यस्थता व सुलह को दर्शकों के सामने रखा। नाट्य प्रस्तुति का निर्देशन सह-छात्र संयोजक अफजल हसन और सीनियर सदस्य अमन कुमार ने किया। संकाय प्रभारी प्रो. आलोक कुमार यादव, प्रो. अभिषेक कुमार तिवारी समेत कई अन्य उपस्थित रहे। वि.

लखनऊ विश्वविद्यालय की प्रतियोगिता में रुद्रवीर पांडेय प्रथम

जासं • लखनऊ: लविवि के शिक्षाशास्त्र विभाग में आयोजित विकसित भारत यंग लीडर्स डायलाग प्रतियोगिता में रुद्रवीर पांडेय को प्रथम स्थान मिला। अक्षय श्रीवास्तव द्वितीय व उल्फत फातिमा को तृतीय स्थान मिला। सांत्वना पुरस्कार दिवाकर रजनीश व अभिनव गुर्जर को दिया गया।

इससे पहले प्रतियोगिता का उद्घाटन कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने किया। उन्होंने कहा कि इस स्पर्धा का उद्देश्य प्रधानमंत्री द्वारा संकल्पित विकसित भगत-2047 के उद्देश्यों को पूरा करना है। प्रतियोगिता में निर्णायक की भूमिका डा. फाजिल एहसान हाशमी व डा. सुषमा मिश्रा ने निभाई। इस अवसर पर कार्यक्रम के नोडल अधिकारी प्रो. वीके शर्मा, शिक्षा शास्त्र विभाग के अध्यक्ष एवं डीन प्रो.दिनेश कुमार व कार्यक्रम समन्वयक डा. हेमेंद्र कुमार सिंह आदि उपस्थित रहे।

फ्रांस में भी शोध करने जाएंगे लवि के विद्यार्थी व शिक्षक

जागरण संवाददाता • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय ने फ्रांस के पेरपिन्यान विश्वविद्यालय के साथ एमओयू किया है। इसके तहत लवि के जीवन विज्ञान और प्राणीशास्त्र विभाग के छात्र-छात्राएं वहां जाकर शोध कर सकेंगे। दोनों विश्वविद्यालयों इंटीग्रेटेड ब्यायोलाजी के अलग-अलग पहलुओं जैसे पशु व्यवहार, पारिस्थितिकी, विकासवादी जैव विज्ञान, जैव विविधता संरक्षण और पर्यावरण प्रबंधन में साथ मिलकर काम करेंगे। साथ ही वैज्ञानिक ज्ञान का विस्तार, सांस्कृतिक आदान-प्रदान और सहयोगात्मक अनुसंधान और शैक्षणिक नवाचार को भी बढ़ावा दिया जाएगा।

लवि में कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने एमओयू पर हस्ताक्षर किए। • डी लवि

लवि की डीन एकेडमिक प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि यह साझेदारी तमाम शैक्षणिक परिवेश को अंतर्विषयक अनुसंधान और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से समृद्ध बनाएगी। छात्रों और शिक्षकों को उन्नत वैज्ञानिक तकनीकों और विविध अनुसंधान संस्कृतियों का अनुभव प्राप्त करने का अवसर मिलेगा। समझौते के अनुसार, प्रत्येक शैक्षणिक वर्ष में प्राणी शास्त्र एवं वनस्पति शास्त्र विभाग से अधिकतम पांच स्नातक छात्र, प्राणी शास्त्र विभाग से दो परास्नातक छात्र और विभाग से एक संकाय सदस्य का लखनऊ विश्वविद्यालय और पेरपिन्यान के बीच आदान-प्रदान किया जाएगा। जहाँ तक विभिन्न कार्यक्रम के तहत प्रतिभागियों को शोध प्रयोगशालाओं में व्यावहारिक प्रशिक्षण, अनुसंधान परियोजनाओं पर कार्य, फील्ड स्टडी तथा कार्यशालाओं जैसी संयुक्त शैक्षणिक गतिविधियों में भाग लेने का अवसर मिलेगा। यह अनुभव उन्हें एक बहुसांस्कृतिक शैक्षणिक वातावरण में कार्य करने की सुविधा देगा, जिससे उनकी वैज्ञानिक समझ और व्यावसायिक दक्षता दोनों में वृद्धि होगी। इस अवसर पर लखनऊ विश्वविद्यालय के कुलपति प्रो. मनुका खन्ना ने इस नई शैक्षणिक साझेदारी को लेकर अपनी प्रसन्नता और आशावाद व्यक्त करते हुए कहा यह समझौता लखनऊ विश्वविद्यालय की अंतरराष्ट्रीयकरण और शैक्षणिक उत्कृष्टता की दिशा में यात्रा का एक बड़ा कदम है। इस प्रकार के सहयोग हमारे छात्रों और शिक्षकों को वैश्विक स्तर पर सोचने, अग्रणी अनुसंधान में भाग लेने और वैश्विक वैज्ञानिक चुनौतियों के समाधान में सार्थक योगदान देने के लिए सशक्त बनाते हैं। हमें यूनिवर्सिटी ऑफ पेरपिन्यान के साथ साझेदारी करने पर गर्व है और मुझे पूर्ण विश्वास है कि यह पहल ज्ञान सृजन और आदान-प्रदान के नए मार्ग प्रशस्त करेगी। डीन अकादमिक्स प्रो. गीतांजलि मिश्रा ने इस सहयोग के शैक्षणिक महत्व और दीर्घकालिक प्रभाव पर प्रकाश डालते हुए कहा कि यह साझेदारी हमारे शैक्षणिक परिवेश को अंतर्विषयक अनुसंधान और अनुभवात्मक शिक्षा के माध्यम से समृद्ध बनाएगी।

लवि : 25 से भरे जाएंगे फार्म, नवंबर में सेमेस्टर परीक्षाएं

जासं • लखनऊ : लखनऊ विश्वविद्यालय एवं सत्यपुक्त महाविद्यालयों में प्रथम सेमेस्टर की छोड़ अन्य सभी विषम सेमेस्टर परीक्षाओं के आनलाइन फार्म भरने की प्रक्रिया 25 अक्टूबर से शुरू हो जाएगी। वहीं, विषम सेमेस्टर परीक्षाएं नवंबर के तीसरे सप्ताह में शुरू करने पर विचार विमर्श किया गया। यह निर्णय कुलपति प्रो. मनुका खन्ना की अध्यक्षता में परीक्षा समिति की बैठक में लिया गया।

डीन एकेडमिक्स प्रोफेसर गीतांजलि मिश्रा ने बताया कि शैक्षणिक सत्र 2025-26 की सेमेस्टर परीक्षाएं शैक्षणिक कैलेंडर के अनुसार निर्धारित शिक्षण दिवसों की पूर्ति को ध्यान में रखते हुए परीक्षा समिति की ओर से निर्धारित समयानुसार आयोजित की जाएंगी। सत्रवार पेटेंट से प्राप्त होने के आधार पर प्रथम सेमेस्टर को छोड़कर अन्य सभी सेमेस्टरों के परीक्षा प्रपत्र भरने की प्रक्रिया विश्वविद्यालय की विद्यमान प्रणाली के माध्यम से शुरू की जाएगी।